हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, चन्हुदड़ो, लोथल और कालीबंगा की मुख्य विशेषताएं

भाग-3

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)
:
SNSRKS, कॉलेज सहरसा

मोहनजोदड़ो की विशेषताएं

- मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ है 'मृतकों का टीला'.
- यह आधुनिक पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में लरकाना जिले में सिंधु नदी के तट पर स्थित है.
- इस स्थल को राखलादास बनर्जी ने 1922 में पता लगाया. यहाँ एक सुनियोजित नगर के सभी तत्व दिखाई देते है.
- यहाँ भी दो टीले प्राप्त होते है. इसमें पश्चिमी भाग में स्थित दुर्ग टीले को स्तूप टीला भी कहा जाता है.
- यहाँ एक महत्वपूर्ण और तत्कालीक समय के लिए अद्भुत सार्वजानिक स्थल मिलता है: विशाल स्नानागार. यह 11.88 मी लम्बा, 7.01 मी चौड़ा और 2.43 मी. गहरा है. इतिहासकारों का मानना है की इसका उपयोग धार्मिक अनुष्ठान आदि अवसरों पर स्नान आदि के लिए होता रहा होगा.
- यहाँ की सबसे बड़ी इमारत विशाल अन्नागार है. यह 45.71 मी. लम्बा और 15.23 मी. चौड़ा है.
- यहाँ उत्तर दक्षिण एवं पूर्व पश्चिम की ओर जाने वाली समानांतर सड़को का जाल बिछा था. इसने नगर को लगभग समान आकार वाले खंडो में विभाजित कर दिया था.
- यहाँ से प्राप्त अन्य महत्वपूर्ण अवशेषों में महाविद्यालय भवन, नृत्य करती हुई स्त्री की प्रतिमा, योगी की मूर्ति, मुद्रा पर अंकित पशुपतिनाथ की मूर्ति, सूती कपडा, हाथी का कपाल खंड, नरकंकाल, घोड़े का दां, सीप की बनी पटरी आदि प्रमुख है.